This Question Paper consists of 27 questions and 11 printed pages.
इस प्रश्न-पत्र में 27 प्रश्न तथा 11 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No. / अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. / कोड नं. **67/S/A**

SET/सेट **A**

HINDUSTANI MUSIC
हिंदुस्तानी संगीत
(242)

Day and Date of Examination :
(परीक्षा का दिन व दिनांक) ____________________

Signature of Invigilators :
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर) 1. ____________________

2. ____________________

General Instructions :

1. Answers of **all** questions are to be given in the Answer-Book given to you.
2. **15** minute time has been allotted to read this Question Paper. The question paper will be distributed at **02.15** p.m. From **02.15** p.m. to **02.30** p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the Answer-Book during this period.
3. Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.
4. Please check the Question Paper to verify that the total pages and total number of questions contained in the Question Paper are the same as those printed on the top of the first page. Also check to see that the questions are in sequential order.
5. For the objective type of questions, you have to choose **any one** of the four alternatives given in the question i.e., (A), (B), (C) and (D) and indicate your correct answer in the Answer-Book given to you.
6. Making any identification mark in the Answer-Book or writing Roll Number anywhere other than the specified places will lead to disqualification of the candidate.
7. (a) The Question Paper is Bi-lingual i.e., English and Hindi. However, if you wish, you can answer in any one of the languages listed below :
   English, Hindi, Urdu, Punjabi, Bengali, Tamil, Malayalam, Kannada, Telugu, Marathi, Oriya, Gujarati, Konkani, Manipuri, Assamese, Nepali, Kashmiri, Sanskrit and Sindhi.
   You are required to indicate the language you have chosen to answer in the box provided in the Answer-Book.
   (b) If you choose to write the answer in the language other than Hindi and English, the responsibility for any errors/mistakes in understanding the questions will be yours only.
8. Candidate will not be allowed to take Calculator, Mobile Phone, Bluetooth, Earphone or any such electronic devices in the Examination Hall.
9. In case of any doubt or confusion in the question paper, the English version will prevail.
10. Write your Question Paper Code No. **67/S/A-A** on the Answer-Book.

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

सामान्य अनुदेश :

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर–पुस्तिका में ही लिखें।
2. इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में **02.15** बजे किया जाएगा। **02.15** बजे से **02.30** बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।
3. परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।
4. कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की उतनी ही संख्या है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।
5. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) तथा (D) में से **कोई एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखना है।
6. उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।
7. (क) यह प्रश्न–पत्र दो भाषाओं में है अर्थात अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :

   अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बँगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगू, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।

   कृपया उत्तर–पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।

   (ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों/गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।
8. परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, इयरफोन, जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।
9. प्रश्न–पत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।
10. अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्न–पत्र का कोड नं. **67/S/A-A** लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

HINDUSTANI MUSIC
(हिंदुस्तानी संगीत)
(242)

Time : 1½ Hours] **[Maximum Marks : 40**

समय : 1½ घण्टे] **[पूर्णांक : 40**

Note :

(i) This question paper consists of **27** questions in all.

(ii) **All** questions are **compulsory**.

(iii) Marks are given against each question.

(iv) **Section - A** consists of

Q.No. 1 to 8 - Multiple Choice type questions (MCQs) carrying **1** mark each. Select and write the most appropriate option out of the four options given in each of these questions. An internal choice has been provided in some of these questions. You have to attempt only **one** of the given choices in such questions.

(v) **Section - B** consists of Objective type questions :

(a) **Q.No. 9 to 12 -** Read the passage carefully then fill in the blanks carrying **1** mark each. An internal choice has been provided in some of these questions.

(b) **Q.No. 13 to 16 -** Read the passage carefully and write true or false carrying **1** mark each. An internal choice has been provided in some of these questions.

(c) **Q.No. 17 to 20 -** Answer the following questions carrying **1** mark each to be answered in the range of **15 to 25** words. An internal choice has been provided in some of these questions.

(vi) **Section - C** consists of Subjective type questions :

(a) **Q.No. 21 to 25 -** Short Answer type questions carrying **2** marks each to be answered in the range of **30 to 40** words.

(b) **Q.No. 26 and 27 -** Long Answer type questions carrying **5** marks each to be answered in the range of **100 to 120** words.

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र में कुल **27** प्रश्न हैं।

(ii) **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने उसके अंक दिए गए हैं।

(iv) **खण्ड - क** में शामिल हैं :

प्रश्न संख्या 1 से 8 तक बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं और प्रत्येक **1** अंक का है। इनमें से प्रत्येक प्रश्न में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखना है। इनमें से कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। आपको ऐसे प्रश्नों में दिए गए विकल्पों में से केवल **एक** विकल्प का ही उत्तर लिखना होगा।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(v) **खण्ड - ख** में वस्तुनिष्ठ प्रश्न शामिल हैं :

(a) **प्रश्न संख्या 9 से 12 -** दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर रिक्त स्थान को भरिए। प्रत्येक **1** अंक का है। इनमें से कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(b) **प्रश्न संख्या 13 से 16 -** दिए गए अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर सत्य या असत्य लिखिए। प्रत्येक **1** अंक का है। इनमें से कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(c) **प्रश्न संख्या 17 से 20 -** दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक **1** अंक का है। इन प्रश्नों के उत्तर **15 से 25** शब्दों में दिए जाने चाहिए। इनमें से कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(vi) **खण्ड - ग** में विषयनिष्ठ प्रकार के प्रश्न शामिल हैं :

(a) **प्रश्न संख्या 21 से 25 -** लघु-उत्तरीय प्रकार के **दो-दो** अंकों के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर **30 से 40** शब्दों में दिए जाने चाहिए।

(b) **प्रश्न संख्या 26 और 27 -** दीर्घ उत्तरीय प्रकार के **पाँच-पाँच** अंकों के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर **100 से 120** शब्दों में दिए जाने चाहिए।

SECTION - A / खण्ड - क

8x1=8

1. Which of the following is not merely a musical scale ? **1**

(A) Thata (B) Raga

(C) Murchhana (D) Aroh-Avaroh

निम्न में से कौन सा केवल एक सांगीतिक पैमाना (scale) नहीं है ?

(A) थाट (B) राग

(C) मूर्च्छना (D) आरोह-अवरोह

2. A set of ascending notes in a raga is called : **1**

(A) Avaroh (B) Aroh

(C) Pakad (D) Jati

राग में स्वरों के बढ़ते क्रम को कहते हैं :

(A) अवरोह (B) आरोह

(C) पकड़ (D) जाति

OR / अथवा

How old the concept of raga is ?

(A) 3000 years (B) 1000 years

(C) 2000 years (D) 5000 years

राग की अवधारणा कितनी प्राचीन है ?

(A) 3000 वर्ष (B) 1000 वर्ष

(C) 2000 वर्ष (D) 5000 वर्ष

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

3. Six notes in Aroh and five notes in Avaroh is called : **1**

(A) Shadav-Audav Jati (B) Audav-Shadav Jati

(C) Audav-Audav Jati (D) Shadav-Sampurna Jati

आरोह में छः स्वर व अवरोह में पाँच स्वरों से युक्त जाति है :

(A) षाड़व-औड़व जाति (B) औड़व-षाड़व जाति

(C) औड़व-औड़व जाति (D) षाड़व-सम्पूर्ण जाति

4. The total number of parts (Prahar) of the day and night divided from the view point of the time theory of ragas is : **1**

(A) 10 (B) 8 (C) 6 (D) 7

रागों के समय सिद्धांत के आधार पर दिन-रात्रि के विभाजित भागों (प्रहरों) की कुल संख्या है :

(A) 10 (B) 8 (C) 6 (D) 7

5. The Achal note is : **1**

(A) Pancham (B) Madhyam

(C) Dhaivat (D) Nishad

अचल स्वर है :

(A) पंचम (B) मध्यम

(C) धैवत (D) निषाद

6. The tala played with Dhrupad is : **1**

(A) Ektala (B) Teentala

(C) Jhaptala (D) Sooltala

ध्रुपद के साथ बजाई जाने वाली ताल है :

(A) एकताल (B) तीनताल

(C) झपताल (D) सूलताल

OR / अथवा

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

A Tala having two talis is :

(A) Jhaptal (B) Chautal

(C) Teental (D) Keharwa

दो ताली से युक्त ताल है :

(A) झपताल (B) चौताल

(C) तीनताल (D) कहरवा

7. Solo use of single Richa in Sama Gana was known as : **1**

(A) Poorvarchik (B) Uttararchik

(C) Archik (D) Gathik

साम गान में एक ऋचा का एकल गायन कहलाता था :

(A) पूर्वार्चिक (B) उत्तरार्चिक

(C) आर्चिक (D) गाथिक

8. Contribution of Pt. V.N. Bhatkhande to Hindustani Music was : **1**

(A) Classification of ragas into 10 thats

(B) Re-invention of compositions to include Bhakti

(C) Popularity of Dhrupad

(D) Placement of Swaras on the wire length of Veena

भारतीय संगीत के प्रति पं. वि.ना. भातखण्डे का योगदान था :

(A) दस थाटों में राग वर्गीकरण

(B) भक्ति को सम्मिलित करने के लिए बन्दिशों की पुनर्निर्मिति

(C) ध्रुपद का प्रचार

(D) वीणा के तार की लम्बाई पर स्वरों की स्थापना

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

SECTION - B / खण्ड - ख

12x1=12

Read the passage carefully and fill in the blanks :

"In the beginning only three swaras were used for Sama Gana viz - Udatta, Anudatta and Swarit. Udatta denoted high, Anudatta low and Swarit was medium, in which there was a combination of high and low. To indicate these three swaras the numbers 1, 2 and 3 were used for Udatta, Anudatta and Swarit respectively above syllables of Mantras. The usage of Udatta, Anudatta and Swarit swaras gave rise to three fold structure of Samaveda - Archik Gana, Gathik Gana and Samik Gana. When only one note was used, it constituted Archik, when two notes were used it constituted Gathik and when three notes were used it constituted Samik. According to "Tattariya Pratishakhya" slowly from these three notes, seven Samavedic swaras developed".

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए व रिक्त स्थान भरिए :

''प्रारम्भ में साम गान के लिए केवल तीन स्वरों का प्रयोग किया जाता था - उदात्त, अनुदात्त और स्वरित। उदात्त उच्च का अनुदात्त नीची ध्वनि का और स्वरित मध्य का द्योतक था जिसमें ऊँची व नीची ध्वनि का समन्वय था। इन तीन स्वरों का निर्दिष्ट करने के लिए संख्या 1, 2 व 3 का प्रयोग क्रमश: उदात्त, अनुदात्त व स्वरित दर्शाने के लिए मन्त्रों के अक्षरों के ऊपर अंकित किया जाता था। उदात्त, अनुदात्त व स्वरित स्वरों के प्रयोग में सामवेद की त्रिविक रूपरेखा का उदय हुआ - आर्चिक गान, गाथिक गान और सामिक गान। जब केवल एक स्वर का प्रयोग होता था तो वह आर्चिक, दो स्वरों का प्रयोग होने पर वह गाथिक और तीन स्वरों का प्रयोग होने पर सामिक की रचना हो जाती थी। ''तैत्तिरीय प्रतिशाख्य'' के अनुसार धीरे धीरे तीन स्वरों से सात सामवैदिक स्वरों का विकास हो गया''।

9. The three swaras used in Sama Gana were __________, __________ and __________. **1**

साम गान में प्रयुक्त तीन स्वर थे __________, __________ और __________।

10. The numbers used for Udatta, Anudatta and Swarit were __________, __________ and __________. **1**

उदात्त, अनुदात्त व स्वरित स्वरों के लिए प्रयुक्त संख्याएँ थीं __________, __________ और __________।

11. Sama Gana sung with one note was called __________. **1**

एक स्वर से गाया गया साम गान कहलाता था __________।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

12. Sama Gana sung with three notes was called __________. 1

तीन स्वरों के प्रयोग से युक्त साम गान कहलाता था __________।

OR / अथवा

As per __________ Seven Samavedic Swaras were evolved from basic three Swaras.

__________ ग्रन्थ के अनुसार तीन मूल स्वरों से सात सामवैदिक स्वरों का विकास हुआ था।

Read the passage carefully and answer the questions as True/False.

"Dhrupad and Dhamar both have a distinct style of rendition. In the beginning the raga executed with the help of mnemonic syllables viz. Nom, Tom, Dere, Na etc. This portion of singing is known as Alap and is without and rhythmic accompaniment. The Alap culminates into fast rhythmic singing of mnemonics in the "Jod" pattern of Instrumental music. This is followed by composition. The composition is sung with various improvisations taking phrases of lyrics; this part is known as "Upaj" which is unique to Dhrupad singing. The improvisations are done by doubling, tripling or quadrupling the actual tempo before returning to original tempo. Dhamar is also rendered in a similar manner".

निम्न अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सत्य/असत्य पर चिह्न लगाकर प्रश्न का उत्तर दीजिए।

''ध्रुपद व धमार दोनों की प्रस्तुति का एक विशिष्ट तरीका है। प्रारम्भ में राग की अवतारणा किन्हीं स्मृति चिह्नों (mnemonics) के रूप में नोम्, तोम्, देरे तथा ना आदि की सहायता से की जाती है। इस भाग को आलाप कहा जाता है जो कि किसी लयात्मक संगत के बिना होता है। इन्हीं स्मृति चिह्नों को वाद्य संगीत के ''जोड़'' भाग की भाँति द्रुत लयात्मक गान के रूप में गाते हुए इसका समापन किया जाता है और इसके बाद बन्दिश प्रारम्भ होती है। बन्दिश के पद समुदायों को लेकर बन्दिश का कल्पनात्मक विस्तार करते हुए उसे गाया जाता है; इस भाग को ''उपज'' कहा जाता है जो कि ध्रुपद गायन का वैशिष्ट्य होता है। यह कल्पनात्मक विस्तार मूल लय की दुगुन, तिगुन या चौगुन करते हुए पुन: मूल लय पर आने से पूर्व किया जाता है। धमार की प्रस्तुति भी इसी प्रकार की जाती है''।

13. In Dhrupad and Dhamar Raga is executed with the help of syllables like Nom, Tom, Dere etc. (True/False) 1

ध्रुपद व धमार में राग की अवतारणा नोम्, तोम्, देरे आदि अक्षरों की सहायता से की जाती है। (सत्य/असत्य)

14. The portion of the execution of Raga through Alap in Dhrupad and Dhamar is accompanied with rhythmic accompaniment. (True/False) 1

ध्रुपद व धमार में आलाप के माध्यम से राग की अवतारणा में लय की संगत रहती है। (सत्य/असत्य)

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

15. The improvisation of lyrics in Dhrupad is called as "Upaj". (True/False) 1

ध्रुपद में पदों के विस्तार को ''उपज'' कहा जाता है। (सत्य/असत्य)

16. Double, Triple and quadruple of actual tempo are not used in improvisation of Dhrupad singing. (True/False) 1

ध्रुपद गायन के विस्तार में मूल लय की दुगुन, तिगुन या चौगुन का प्रयोग नहीं किया जाता। (सत्य/असत्य)

OR/अथवा

The execution of Raga in fast rhythmic singing of the mnemonics (Nom, Tom etc.) resembles the "Jod" pattern of Instrumental music. (True/False)

स्मृति चिह्नों (नोम्, तोम् आदि) के माध्यम से द्रुत लयात्मक राग विस्तार वाद्य संगीत के ''जोड़'' भाग के समान होता है। (सत्य/असत्य)

Answer the following questions :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

17. Write the names of the two types of Sangeet as mentioned in Sangeet Ratnakar with their short introduction. 1

संगीत रत्नाकर में वर्णित संगीत के दो प्रकारों के नाम संक्षिप्त विवरण सहित लिखिए।

18. According to Sangeet Parijat write the names of the three Gramas and the number of Murchhanas evolved from them. 1

संगीत पारिजात के अनुसार तीन ग्रामों के नाम तथा उनमें उत्पन्न मूर्च्छनाओं की संख्या लिखिए।

19. Describe the qualities of an excellent singer and composer as explained by Mansingh Tomar in Manakutuhala. Also mention his period of ruling Gwalior. 1

मानसिंह तोमर द्वारा मानकुतूहल में निर्दिष्ट श्रेष्ठ गायक व रचनाकार के गुणों का वर्णन कीजिए और ग्वालियर पर उसके शासन काल का संकेत भी कीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

20. Write the names of four Varnas as applicable in classical music along with their short description. 1

शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त होने वाले चार वर्णों के नाम तथा उनका संक्षिप्त विवरण भी लिखिए।

OR/अथवा

"Impact of the efforts of Pt. V.N. Bhatkhande and Pt. V.D. Paluskar on present day Hindustani Music." Write a short note.

''आधुनाकालीन हिन्दुस्तानी संगीत पर पं. विष्णुनारायण भातखंडे तथा वि.दि. पलुस्कर के सत्प्रयत्नों का प्रभाव'' इस विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

SECTION - C / खण्ड - ग

Answer the following questions : **5x2=10**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

21. Write a note on the meaning and concept of Notation. 2

स्वरलिपि की अवधारणा व अर्थ पर एक टिप्पणी लिखिए।

22. Describe in short the contents of "Ragagitavichar Khand" of Sangeet Parijat. 2

संगीत पारिजात के ''रागगीतविचार खण्ड'' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

23. What is the contribution of Pt. V.D. Paluskar to Hindustani Music ? Explain. 2

हिन्दुस्तानी संगीत के प्रति पं. वि.दि. पलुस्कर का क्या योगदान है ? वर्णन कीजिए।

24. Give a short description of Vadyadhyaya' of Sangeet Ratnakar. 2

संगीत रत्नाकर के वाद्याध्याय का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

25. Write the definition of tala and its importance in Hindustani Music. 2

ताल की परिभाषा व हिन्दुस्तानी संगीत में उसके महत्व के बारे में लिखिए।

OR / अथवा

Write the theka of Ektal or Keharwa marking the symbols of Bhatkhande notation system.

भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति के चिह्नों को अंकित करते हुए एकताल अथवा कहरवा ताल का ठेका लिखिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

Answer the questions given below : **2x5=10**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

26. Give a detailed description of the different parts of Ganasamhita of Samaveda. **5**

सामवेद की गानसंहिता के विभिन्न भागों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

OR/अथवा

Write a note on Prabandhadhyaya of Sangeet Ratnakar.

संगीत रत्नाकर के प्रबन्धाध्याय पर एक टिप्पणी लिखिए।

27. Write the definitions of Vadi, Samvadi, Anuvadi and Vivadi Swaras and their importance in Raga. **5**

वादी, सम्वादी, अनुवादी तथा विवादी स्वरों की परिभाषाएँ तथा राग में उनके महत्व के बारे में लिखिए।

OR/अथवा

Describe the contents of Nartanadhyaya of Sangeet Ratnakar.

संगीत रत्नाकर में नर्तनाध्याय की विषयवस्तु के बारे में लिखिए।

- o O o -

Unnati Educations

9899436384, 9654279279